आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 21.10.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत लिटिल अंडमान के सामुदायिक विकास खण्ड द्वारा ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- समाज कल्याण निदेशालय द्वारा 'शराब और नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों' पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- केंद्र शासित कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्था ने कृषि विभाग, के सहयोग से डिगलीपुर में 'मशरूम की खेती' पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- अंडमान एवं निकोबार राज्य सब–जूनियर चेस चैंपियनशिप–दो हजार चौबीस की कल शुरूआत हुई।
- द्वीपसमूह के कुछ भागों में आज भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

<><><><><><><><>

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत लिटिल अंडमान के सामुदायिक विकास खण्ड द्वारा स्थानीयकृत सतत विकास लक्ष्यों के आत्मनिर्भर गांव की दिशा में नई उभरती पहल और रणनीतिक विकास पर एक ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं के पंचायत सचिवों, सहायक अभियंताओं और कनिष्ठ अभियंताओं सहित स्थानीय अधिकारियों को अपने समुदायों में सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाना है। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि पंचायत समिति प्रमुख एस. परमनाथन, के उद्घाटन संबोधन से हुई, उन्होंने ग्रामीण विकास में आत्मनिर्भरता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और प्रतिभागियों को चर्चा की गई पहलों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। खंड विकास अधिकारी बेल्थाजर, ने प्रशिक्षण के दीर्घकालिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सामुदायिक बुनियादी ढांचे में सुधार, शासन को मजबूत बनाने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को और अधिक लचीला बनाने में मदद मिल सकती है। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महिला सशक्तिकरण की क्षेत्र विशेषज्ञ सी. विजया के नेतृत्व में की गई कार्यशाला में ग्राम पंचायतों और गांवों में आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे के निर्माण की रणनीतियों पर केंद्रित था, जो प्रमुख विषयों में

आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे के घटक, सामुदायिक भागीदारी, क्षमता निर्माण, अभिनव समाधान, वित्त पोषण और संसाधन जुटाना, निगरानी और मूल्यांकन प्रथाओं, और स्थिरता पर शामिल थे।

कार्यक्रम का समापन विस्तार अधिकारी डॉ. विशाल मंडल के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदायों में आत्मनिर्भरता और लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम लिटिल अंडमान के ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

<><><><><><><>

समाज कल्याण निदेशालय द्वारा हाल ही में 'शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के दुष्प्रभाव' पर केंद्रित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।नशा मुक्त भारत अभियान के तहत, कार्यक्रम का आयोजन आइलैंड ऑटो एसोसिएशन, डॉलीगंज में किया गया। नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना की परियोजना सहायक अंचम्मा ने व्यक्तियों, परिवारों और समाज पर मादक द्रव्यों के सेवन के गहन प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए नशा मुक्त भारत अभियान के माध्यम से नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। मानसिक स्वास्थ्य के विशेषज्ञ डॉ. एम.के. महतो ने नशीली दवाओं की लत से जूझ रहे व्यक्तियों के सामने आने वाली गंभीर चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने मादक द्रव्यों के सेवन के खतरों और सामूहिक कार्रवाई की परिवर्तनकारी शक्ति के बारे में बताते हुए शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर लत के विनाशकारी प्रभावों पर जोर दिया। समाज कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. नितिन शाक्य ने कहा कि यह कार्यक्रम जागरूकता बढ़ाने, जनता को शिक्षित करने और प्रभावित लोगों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि भविष्य की पीढ़ियों को इस बढ़ते खतरे से बचाने के लिए सामूहिक कार्रवाई कर हम अपने समाज की भलाई की रक्षा कर सकते हैं।

<><><><><><><>

केंद्र शासित कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्था ने कृषि विभाग, के सहयोग से डिगलीपुर में सत्रह और अट्ठारह अक्टूबर, को मधुपुर पंचायत के अंतर्गत डी.बी. ग्राम के सामुदायिक भवन में 'मशरूम की खेती' पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डिगलीपुर की कृषि सहायक निदेशक आरती सिंह ने सभा का स्वागत करते हुए वर्तमान परिदृश्य में मशरूम के दायरे, महत्व और पोषक मूल्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मशरूम की खेती के माध्यम से कृषि

महिलाओं के लिए रोजगार सृजन की संभावना के बारे में जानकारी दी। तकनीकी सत्र के दौरान, विशेषज्ञ, कृषि अधिकारी सीना पिल्लई, और कृषि सहायक कमरुन निसा, द्वारा मशरूम की खेती के विभिन्न पहलुओं को समझाया गया। व्यावहारिक सत्र के दौरान, कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्था के कर्मचारी रंजन हीरा और इमा सरकार ने व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करके धान के भूसे के प्रसंस्करण और मशरूम की खेती की विधि के बारे में विस्तार से बताया। इसी तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम केरलपुरम में भी आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पशु चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नागनाथ भोजने ने किसानों से अपने घरों में मशरूम की खेती करने की विधि सीखने का आग्रह किया। मत्स्य पालन और वन विभाग के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और अपने–अपने विभाग की चल रही योजनाओं और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में चल रही विभागीय योजनाओं और अन्य मुद्दों से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया।

<><><><><><><>

अंडमान एवं निकोबार राज्य सब जूनियर चेस चैंपियनशिप–दो हजार चौबीस की शुरूआत कल पी बी एम सी कम्युनिटी हॉल, डेयरी फार्म में हुई। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन विवेकानंद केंद्र विद्यालय की प्रधानाचार्य जया शिवशंकर ने किया, उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए, आलोचनात्मक सोच, एकाग्रता और युवा दिमागों में समस्या–समाधान कौशल विकसित करने में शतरंज के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने वैश्विक मंच पर भारतीय शतरंज खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, उन्होंने युवा प्रतिभागियों को उनके पदचिन्हों पर चलने और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस चैंपियनशिप में लगभग एक सौ पचास युवा शतरंज खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो दो से ग्यारह नवंबर, तक तमिलनाडु के होसुर में आयोजित होने वाली आगामी उनचासवीं राष्ट्रीय सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप के लिए एक महत्वपूर्ण चयन कार्यक्रम है, जो लड़कों और लड़कियों दोनों श्रेणियों के शीर्ष चार खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाएगा।

<><><><><><><>

द्वीप समूह में आज एक या दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। निकोबार द्वीप समूह में एक या दो स्थानों पर सात से ग्यारह सेंटीमीटर वर्षा होने की संभावना जताई गई है। तेईस अक्टूबर तक अंडमान सागर और निकोबार द्वीप समूह के आसपास के इलाकों में पैंतीस किमी

प्रति घंटे से पैतालिस किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और इसके बढ़कर पचपन किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। समुद्र भी काफी अशान्त रहेगा। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे चौबीस अक्टूबर तक समुद्र में न जाएं। श्री विजयपुरम बंदरगाह पर स्थानीय चेतावनी संकेत नम्बर–तीन लगा दिया गया है। किसी भी आपात कालीन स्थिति और सहायता के लिए राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की हेल्पलाइन नंबर 1070 और जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र की हेल्पलाइन नंबर 1077 पर संपर्क किया जा सकता है।

<><><><><><><><>